वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 24 | रविवार 19 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आसमान से बरसती आग: नौतपा में रिकॉर्ड तोड़ेगी गर्मी

मई के आखिरी हफ्ते में तापमान 47 डिग्री पार जाने का अलर्ट

जयपुर. कासं। आसमान से बरसती आग ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सुबह से शाम तक चल रही गर्म हवा झुलसा रही है। दिन में पारा सामान्य से 2.8 डिग्री बढ़कर 44.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भीषण गर्मी में राहत देने के लिए निगम ने शहर की चारदीवारी में स्मोग गन से पानी की छिड़काव किया। मौसम विभाग ने आगे इससे भी भीषण गर्मी पड़ने का अलर्ट जारी किया है। अगले तीन-चार दिन लू चलेगी। भीषण गर्मी का दूसरा चरण 24 मई बाद शुरू होगा। इस बार नौतपा में गर्मी सारे रिकॉर्ड तोड़ सकती है। पारा दिन का तापमान 47 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री ज्यादा है। आगे सतही गर्म हवाएं चलेंगी इससे तापमान में और बढ़ेगा। अगले चार-पांच दिन पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहेगा। 25 मई से नौतपा शुरू होगा और लू चलने के साथ पारा चढ़ेगा। 25 मई से तापमान 45 डिग्री के पार जाने का अनुमान है। इसके बाद अगले तीन चार दिन तापमान लगातार बढ़ोत्तरी के साथ 47 डिग्री के पार जा सकता है। बीते दस साल में मई महीने में एक बार तापमान 2016 में 46.5 डिग्री पहुंचा था। मई में गर्मी का ऑल टाइम रिकॉर्ड साल 1932 में 47.7 डिग्री पहुंचा था।

भीषण गर्मी से बचाने के लिए छोड़ी पानी की फुहार

जयपुर हेरिटेज नगर निगम ने लगाई 3 एंटी स्मोक गन, लोगों को लू के थपेड़ों से मिली राहत

जयपुर. कासं

राजधानी जयपुर में भीषण गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जून के महीने से पहले ही तापमान 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। इसकी वजह से आम जनता का जीना दूभर हो गया है। लोगों को तेज धूप और लू के थपेड़ों से बचाने के लिए अब नगर निगम हेरिटेज में एंटी स्मोक गन से पानी की फुहार छोड़ी जा रही है, ताकि प्रचंड गर्मी से आम जनता को राहत मिल सके। नगर निगम हेरिटेज के आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बताया कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में आम लोग रोजमर्रा के कामकाज के लिए बाजारों में आ रहे हैं, ऐसे में आम जनता को गर्मी से राहत देने के लिए नगर निगम द्वारा एंटी स्मोक गन से पानी की फुहार छोड़ी जा रही है, ताकि वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को लू और तेज धूप से राहत मिल सके। सुराणा ने बताया कि तापमान में बढ़ोतरी के दौरान नगर निगम हेरिटेज

के सभी जोन में धूप निकलने के साथ ही एंटी स्मोक गन से पानी की फुहार छोड़ना शुरू कर दिया जाएगा। दरअसल, निगम के वाहन पर लगी एंटी स्मोक गन आमतौर पर प्रदूषण और धुंध को कम करने के लिए उपयोग में लाई जाती है। इसके माध्यम से पानी की फुहार छोड़कर प्रदूषण और धुंध को काम किया जाता है। इस भीषण गर्मी के दौर में अब फुहार छोड़कर आम जनता को गर्मी से राहत देने की कोशिश की जा रही है, ताकि आम जनता को बढ़ती गर्मी से राहत देने के साथ ही शहर में बढ़ते प्रदूषण को भी कम किया जा सके।

शिक्षक संघ (शेखावत) की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विरोध व स्थानांतरण सहित कई मांगों को लेकर होगा आन्दोलन

जयपुर. कासं

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की राज्य कमेटी, जिला अध्यक्ष व जिला मंत्री गण की संयुक्त बैठक नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे इम्प्लॉइज यूनियन जोधपुर के सभागार में प्रदेश अध्यक्ष महावीर सिहाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जोधपुर संभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर काला ने प्रदेश भर से आए शिक्षक नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक शिक्षक हितों व शिक्षा को बचाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। बैठक को संबोधित करते हुऐ महामंत्री उपेन्द्र शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छात्रों तथा शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात करने वाली जनविरोधी शिक्षा नीति है। इसे लागू करने का कड़ा विरोध किया जाएगा, क्योंकि यह

कदम शिक्षा का निजीकरण करने तथा सार्वजनिक शिक्षा को बर्बाद करने वाला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति 2020 लागू होने से शिक्षकों की नियमित नियुक्तियां बन्द हो जायेगी जो नौजवानों के साथ धोखा होगा और शिक्षकों का शोषण बढ़ जाएगा। राज्य सरकार शिक्षा नीति 2020 को लागू करने पर आमादा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से अध्यापकों के हजारों विद्यालय हो जाएंगे बंद

शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू करने के परिणामस्वरूप विद्यालयों में अध्यापकों के हजारों पद समाप्त हो जाएंगे। नई शिक्षा नीति में संविदा और पार्ट टाइम आधार पर शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे, नियमित नियुक्तियां बंद हो जाएगी। विद्यालय प्रबंधन समिति को शिक्षक व कर्मचारी नियुक्त करने, वार्षिक वेतन वृद्धि स्वीकृत या अस्वीकृत करने, पदोन्नति देने या सेवा समाप्त करने का अधिकार होगा। इसका परिणाम यह होगा कि शिक्षकों के संगठित होने तथा सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार उन से छिन जाएगा और शिक्षा कर्मी शोषण के लिए अभिशप्त हो जाएंगे। नई शिक्षा नीति लागू होने पर राज्य में हजारों विद्यालयों को बंद कर दिया जाएगा। इससे एक ओर शिक्षकों व कर्मचारियों के रोजगार समाप्त हो जाएंगे और दूसरी तरफ बालक शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। ऐसी घौर छात्र विरोधी, शिक्षक विरोधी तथा जन विरोधी शिक्षा नीति को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बैठक में इस जन विरोधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ व्यापक और तीव्र आंदोलन संगठित करने की रणनीति बनाई गई। संयुक्त बैठक में लिए गए निर्णयानुसार आंदोलन के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए जून के प्रथम पखवाड़े में राज्य स्तर के प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राज्य के सभी जिलों के शिक्षक शामिल होंगे।

नवनिर्मित बगदा जैन मंदिर में हुआ श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। शमशाबाद रोड़ स्थित बरौली अहीर के नवनिर्मित श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर बगदा में मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 18 मई को श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। भक्तों ने विधान का शुभारंभ श्रीजी का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ किया गया। भक्तों ने विधानाचार्य पंडित आशुतोष जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मंडल पर अर्घ्य अर्पित कर श्री शांतिनाथ महामंडल विधान की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कीं। विधान में मौजूद सभी भक्तों ने हाथों में चवर लेकर संगीतकार शशि जैन पाटनी के मधुर भजनों पर नृत्य कर प्रभु की भक्ति की। इस दौरान सौभाग्यशाली भक्तों ने उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज को शास्त्र भेंट किए साथ ही पाद प्रक्षालन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। विधान के मध्य में उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ने भक्तों को शांतिनाथ महामंडल विधान की महिमा को समझाया।

मां बाप वो दीपक है जो जिंदगी भर के अंधेरे को मिटा देते हैं : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

अशोक नगर व दर्शनोदय थूवोनजी ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट किए, चातुर्मास की उम्मीद में दस से भी अधिक परिवारों ने डेरा डाला था कुंडलपुर में: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। मां बाप की आयु एक दिन की भी हो तब भी वो दीपक है जो जिंदगी भर के अंधेरे को मिटाकर जाते है, जवान बालक कितनी भी काढिया जलाते रहे, दो कदम से ज्यादा उजाला नही होता। अनजान व्यक्ति के एक दो वर्ष के प्रेम के लिए माँ बाप के 25 वर्ष के प्रेम को तुमने आँसू में बहा दिया। माँ बाप तुम्हारी गंदगी साफ करने के लिए मेतरानी बने, कपड़े धोने के लिए धोबिन बनी, रोटी बनाने के रसोईन बने उन्हें कभी झुंझुलाहट नही आई, 25 साल तक जो प्रेम किया कोई पत्नी नही कर सकती मां बाप का स्थान कोई नहीं ले सकता यदि आपको उनकी सेवा का मौका मिला है तो समर्पित भाव से सेवा करते हुए अपने कर्तव्य का पालन सौभाग्य मान कर करें उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने दमोह में जिज्ञासा समाधान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कुंडलपुर से लौट कर बताया कि दस से अधिक परिवारों ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में चातुर्मास की भावना को लेकर अपना डेरा में एक माह से भी अधिक समय तक डाले रखा इस समय कुंडलपुर में अनेक उप संघों का विहार चल रहा है मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ कुंडलपुर से विहार कर दमोह में विराजमान हैं जहां दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी व अशोक नगर जैन समाज के पदाधिकारियों ने गुरु चरणों में श्री फल भेंट कर कहा कि हम सब कुंडलपुर भी गये थे और आचार्य महाराज को श्री फल भेंट कर चातुर्मास का निवेदन किया है इस दौरान थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल व महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि हम सब लोगों दमोह में मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के पास जाकर आये है समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल व महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि हम सब बहुत दिनों से भावना भाई रहे हैं और हम को उम्मीद है कि इस वर्ष चातुर्मास मिलेगा पूर्व से ही समाज और कमेटी चातुर्मास के निवेदन के साथ ही विहार में सहभागिता दे रही थी इस समय कुंडलपुर में अनेक परिवारों के सदस्य यहां लाभ ले रहे हैं ।

भक्तो के भगवान थे गुरू मरूधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज : प्रवर्तक सुकनमुनि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

जैतारण। भक्तो के भगवान थे गुरू मरूधर केसरी शनिवार को पावनधाम मे श्री मरुधर केसरी श्री मिश्रीमल जी महाराज की समाधी पर माथा टेक ने और प्रवर्तक सुकनमुनि जी उपप्रर्तक अमृतमुनि के दर्शनार्थ पधारे अप्रवासी चैन्नई गुरू भक्तों को प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मिश्रीगुरू के उपकारों को परदेश मे हो या देश मे कौई भी भक्त भूल नहीं सकता है क्योंकि गुरुदेव ने कठिन परिस्थितियों मे भक्तो के दुखः दूर किये और जीवन जिने का सदमार्ग दिखाया था आज भी जो व्यक्ति श्रध्दा से गुरूदेव का नाम सिमरन करता है वह मनवांछित फल प्राप्त करता है। युवाप्रणेता महेश मुनि,मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि,बालयोगी अखिलेश मुनि, डॉ.वरूण मुनि आदि ने कहा कि मरुधर केसरी गुरूदेव मानवता के देवता और गरीबों के मसीहा थे। इसदौरान मरुधर केसरी पावनधाम के कार्यकारी मेंबर सी. महावीर भंडारी ने चैन्नई के मीठ्ठालाल तालेड़ा के सुपुत्र अशोक,गौतम चन्द किशोर,महावीर चन्द तालेड़ा रिखबचंद बोहरा,सुदर्शन छल्लाड़ी गौतम बोहरा,महावीर पंगारिया, बुध्दराज भंडारी,एच.महावीर भंडारी,देवीचन्द बरलोटा, अमरचंद छाजेड़,किशोर गादिया,चन्द्रप्रकाश बागनी,प्रवीण बोकड़िया आदि गुरूभक्तो का सोल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया। सचिव वीर राजेश - सीमा बड़जात्या ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के सहयोग से गरिमा प्रोजेक्ट के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं के मासिक धर्म स्वच्छता व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाया गयो उपाध्यक्ष वीर डॉ राजेन्द्र कुमार जैन - उर्मिला जैन ने अवगत कराया कि विद्यालय परिसर में आज गरिमा प्रोजेक्ट के माध्यम से बालिकाओं को उतम स्वास्थ्य व सेनेट्री नेपकिन का सही रूप से निस्तारण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए जीरो वेस्ट पीरियड के निस्तारण एवं मेन्स्टुअल कप की जानकारी बहुत ही प्रभावशाली तरीके से वीरा डॉ रश्मि सारस्वत अंतरराष्ट्रीय निदेशक-महिला सशक्तिकरण व चाइल्ड केयर द्वारा बहुत ही शानदार व सरल भाषा मे दी गई । उपाध्यक्ष वीर सुरेश जैन बांदीकुई ने अवगत कराया कि राजकीय गर्ल्स सीनियर सैकंडरी स्कूल, सांगानेर में आयोजित शिविर में ''झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो'' का संदेश देते हुए निःशुल्क 200 सेनेट्री नेपकिन, मेन्स्टुअल कप स्कूल की बालिकाओं को वितरित की गई। विद्यालय की प्रिन्सिपल श्रीमती उषा शर्मा के निवेदन पर ग्रेटर कोषाध्यक्ष वीर धनु कुमार - इन्दू जैन के दामाद आनंद -रश्मि द्वारा ग्रेटर द्वारा 20 पंखे भी विद्यालय में लगाए गये। विद्यालय द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया ।

''हम सब की एक अभिलाषा छोटा गिरनार में हो चौमासा'' के नारो के साथ रवाना हुआ यात्री दल

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य भगवन छोटा गिरनार व तपोभूमि प्रणेता प्रज्ञा सागर जी महाराज के वर्ष 2024 के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगांव में चातुर्मास करवाने के लिए जयपुर से शनिवार को 51 सदस्यीय गणमान्य श्रेष्ठीजनों का विशेष दल जयकारों के साथ रवाना हुआ। दल प्रमुख अनिल जैन बनेठा एवं अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार के अध्यक्ष प्रकाश चन्द बाकलीवाल ने बताया कि पूज्य आचार्य भगवन 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज का पूर्व में वर्ष 2016 में अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार में चातुर्मास हुआ था। चातुर्मास के दौरान वहां पर एक भव्य तीर्थ का निर्माण एवं भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन हुआ था। एक बार फिर गुरुदेव का वर्ष 2024 के चातुर्मास के लिए प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी छोटा गिरनार पूज्य गुरुदेव के श्री चरणों में 2024 के चातुर्मास के लिए निवेदन करने के लिए रवाना हुई है। शनिवार को प्रातःकाल की बेला में छोटा गिरनार अतिशय क्षेत्र की कमेटी व सकल जैन समाज निमोडिया जयपुर के वरिष्ठ प्रमुख समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उज्जैन के लिए रवाना हुए। छोटा गिरनार के प्रचार मंत्री चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापू गांव के संरक्षक अनिल जैन बनेठा , अध्यक्ष प्रकाश चंद बाकलीवाल ,मंत्री पारसमल जैन, कोषाध्यक्ष रमेश चंद गंगवाल, चित्रकूट कालोनी जैन समाज के अध्यक्ष केवल चंद जैन , महेंद्र कुमार जैन,कमलेश जैन, राजस्थान जैन सभा के कार्यकारिणी सदस्य जिनेंद्र गंगवाल जीतू, प्रेम चंद जैन, संजू जैन सिद्धार्थ नगर, मनोज बाकलीवाल, अमित जैन निमोडिया , सरपंच पलक जैन निमोडिया सहित महिला मंडल की सदस्याऐं चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट करने के लिए बस द्वारा जयकारों के बीच जयपुर से उज्जैन के लिए रवाना हुए। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने यात्रा दल को शुभकामनाएं दी।

निवाई के श्रेष्ठी रतनदेवी पाटनी एवं राजेन्द्र पाटनी जौंला आज करेंगे श्री जी को मुख्य वेदी में विराजमान

निवाई. शाबाश इंडिया। वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं जिनबिम्ब स्थापना महोत्सव सतवाडा राजमहल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 19 मई रविवार को सुबह निवाई के श्रेष्ठी एवं समाजसेवी श्रीमती रतनदेवी पाटनी जौंला, राजेन्द्र कुमार, रमेश चंद, विमल जौंला, पदमचंद जैन एवं चंद्र प्रकाश जैन पाटनी जौंला परिवार मुख्य वेदी में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के साथ श्री जी को विराजमान करने का सौभाग्य मिलेगा।

भक्ति भाव से मनाया भगवान महावीर का ज्ञान कल्याणक दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले, विश्व वंदनीय, जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का ज्ञान कल्याणक दिवस शनिवार, 18 मई को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन' कोटखावदा' के अनुसार मंदिरों में प्रातः अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। अष्ट द्रव्य से भगवान महावीर स्वामी की पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान ज्ञान कल्याणक श्लोक " शुकलदशैं वैशाख दिवस अरिघात चतुक छय करना। केवल लहि भवि भवसर तारे, जजोंचरन सुख भरना।। मोहि राखो हो सरना।। " का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढाया गया । महाआरती के बाद समापन हुआ ।

वेद ज्ञान

हर पल महसूस करें ईश्वर को...

भौतिक जीवन में छोटी असफलता मिलने पर मनुष्य स्वयं को अभागा समझने लगता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह अभागे की वास्तविक परिभाषा जानता ही नहीं है। जो व्यक्ति नैतिक मूल्यों, दया और परोपकार जैसे गुणों को त्यागकर लोभ, मोह, ईर्ष्या, मद और अहंकार को अपनाकर अपने संपर्क में आने वालों के साथ चालाकीपूर्ण व्यवहार करता है उसे अभागा कहा जाता है। ऐसा व्यक्ति वास्तव में अभागा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह सांसारिक भौतिक लाभों के कारण मनुष्य जीवन के परम उद्देश्य ईश्वर की अनुभूति को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान ने स्वयं यह कहा है कि निर्मल मन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस प्रकार का मनुष्य कर्मफल के सिद्धांत और ईश्वर के विधान में भी विश्वास न करके स्वयं को ही नियंता समझने लगता है और इस मार्ग पर चलकर वह मनुष्य के स्थान पर राक्षसों की श्रेणी में आकर अभागा कहलाता है। आदिकाल में इसके उदाहरण स्वरूप रावण, कंस, हिरण्यकश्यप आदि के नाम लिए जा सकते हैं। आदिकाल की भांति आज के युग में इस तरह के राक्षसों की भरमार है। बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी, घोटालेबाजों और अपराधियों के मनोवैज्ञानिक अध्ययन से यह पुष्टि हुई है कि इनमें कुटिलता और कठोरता कूट-कूट कर भरी हुई थी। इस प्रकार के राक्षसों का अंत जरूर होता है। सनातन धर्म में जीवन जीने के लिए आश्रम व्यवस्था की गई है जिसे क्रमशः ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास कहा गया है। गृहस्थ में वह कर्म क्षेत्र में रहकर अपनी सांसारिक जिम्मेवारियों को निभाता है, परंतु वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम का तो उद्देश्य ही उसे संसार से मुक्ति दिलाना है। आज के युग में वानप्रस्थ 50 वर्ष के स्थान पर 60 वर्ष में प्रारंभ होता है। इस आयु तक उसकी ज्यादातर जिम्मेवारियां पूर्ण हो जाती हैं इसलिए उसको शास्त्रीय विधान और परमात्मा के साक्षात्कार का प्रयास सच्चे अर्थों में वानप्रस्थी बनकर करना चाहिए। इसके लिए पतंजलि ने यम और नियम का भी सुगम मार्ग सुझाया है। यम में सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह शौच और अस्तेय व नियम में तप, ईश्वर प्राणिधान इत्यादि का प्रावधान है।

संपादकीय

बढ़ता तापमान और गर्मी से जलते शहर...

कुछ वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि बढ़ते तापमान के साथ 'सीजनल इफेक्टिव डिसार्डर' की स्थिति बनती है। इससे लोगों के दिमाग में पाए जाने वाले न्यूरो ट्रांसमीटर में तेजी से बदलाव आते हैं। ये परिवर्तन लोगों को आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने को प्रेरित करते हैं। वर्ष 2018 में अमेरिकी विश्वविद्यालय स्टैनफोर्ड के शोधकताओं ने गर्म मौसम और बढ़ती आत्महत्या दर के बीच एक मजबूत संबंध चिह्नित किया था। स्टैनफोर्ड के

अर्थशास्त्री मार्शल बर्क के नेतृत्व में हुए अध्ययन में दावा किया गया था कि 2050 तक अनुमानित तापमान वृद्धि से संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको में अतिरिक्त इक्कीस हजार आत्महत्याएं हो सकती हैं। गर्मी, लू और उमस किस तरह जानलेवा बन गई हैं- इसके उदाहरण दुनिया भर के शहरों में दिख रहे हैं। भारत में शहरों को बेहतर बुनियादी ढांचे, शानदार जनसुविधाओं और रोजगार के अवसरों के केंद्र के रूप में देखा जाता रहा है। वहां रहने वाले लोग एक अच्छी जीवनशैली वाली जिंदगी की उम्मीद करते हैं। पर अब शहर ही दुनिया के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। आबादी के बोझ से कराहते और सुविधाओं के नाम पर भयानक प्रदूषण झेलते ये शहर बुनियादी ढांचे पर भीषण दबाव, महंगाई और कामकाज की जगहों से रिहाइश की बढ़ती दूरियों के कारण उनमें रहने वालों की सुविधा के बजाय दुविधा का केंद्र बन रहे हैं। इधर कुछ वर्षों में उन्हें एक नई समस्या ने घेर लिया है। यह समस्या गांवों के मुकाबले शहरों में ज्यादा गर्मी पड़ना है। इस समस्या को वैज्ञानिकों ने अर्बन हीट कहा है। इसे शहरी लू भी कहा जा रहा है। इस शहरी लू पर नजर वर्ष 2018 में तब गई थी, जब यूएस जर्नल प्रोसिडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज ने दुनिया के चौवालीस शहरों में बढ़ते तापमान पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। उस शोध रिपोर्ट में दक्षिण एशिया के छह महानगरों में पैदा होने वाली शहरी लू (अर्बन हीट) पर केंद्रित करते हुए बताया गया था कि वर्ष 1979 से 2005 के बीच जिस कोलकाता शहर में सालाना सोलह दिन भयंकर लू चलती थी, अब वहां ऐसे दिनों की संख्या बढ़कर चौवालीस तक हो गई है। शोध में दावा किया गया था कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों की करोड़ों की आबादी के सामने आने वाले वक्त में शहरी लू झेलने का खतरा चार गुना तक बढ़ गया है। इसमें एक चेतावनी भी दी गई थी कि अब शहरियों को इस अर्बन हीट के साथ रहना और लगातार उसका खतरा सहना सीखना होगा। इधर, सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट ने अपनी पत्रिका डाउन टू अर्थ में एक विस्तृत रिपोर्ट में इस समस्या का खुलासा किया है। इसमें सवाल उठाया गया है कि कंक्रीट के जंगलों में बदलते हरियाली विहीन शहरों में आखिर इंसान कितनी अधिक गर्मी झेल सकता है। सवाल यह भी है कि आखिर बड़े शहरों या महानगरों में ऐसा क्या है, जो वहां प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाली गर्मी या लू के मुकाबले कई गुना ज्यादा गर्मी पैदा हो रही है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कड़ी नसीहत

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को कड़ी नसीहत दी है। उसने व्यवस्था दी है कि अगर धनशोधन के मामले में किसी व्यक्ति के खिलाफ विशेष अदालत ने संज्ञान लिया है, तो ईडी उसे गिरफ्तार नहीं कर सकती। अगर आरोपी अदालत के बुलाने पर हाजिर होता है, तो उसे हिरासत में लेने के लिए ईडी को अदालत में आवेदन करना होगा और फिर न्यायालय बहुत जरूरी होने पर ही उसे हिरासत में भेजने का फैसला कर सकता है। धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत उसकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। यह फैसला एक तरह से ईडी की उसकी सीमा बताने वाला है। इसी धारा के तहत ईडी किसी आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि इस धारा के तहत गिरफ्तारी के बाद किसी आरोपी को जमानत देना मुश्किल हो जाता है। हालांकि एक वर्ष पहले भी सर्वोच्च न्यायालय ने ईडी को नसीहत दी थी कि धनशोधन मामले में गिरफ्तारियों को लेकर वह अतिरिक्त उत्साह न दिखाए। उसके बाद भी स्पष्ट निर्देश दिया था कि ईडी तभी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करे, जब उसके पास आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत हों, उसके बारे में वह स्पष्ट उल्लेख करे। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से धनशोधन मामलों में जिस तरह ईडी सक्रिय नजर आ रहा है और विपक्ष के अनेक नेताओं और उनसे संबंधित लोगों को सलाखों के पीछे डाल चुका है, उसे लेकर लगातार आपत्ति दर्ज कराई जाती रही है। एक वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि ईडी भय का माहौल पैदा न करे। उसकी गिरफ्तारियों में राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी असाधारण रूप से अधिक है। मगर उस नसीहत का उस पर कोई असर नहीं हुआ। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां लगातार जारी रहीं। उनमें से कई नेता अब भी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिल पा रही है। माना जाता है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद इस तरह के छापों और गिरफ्तारियों पर विराम लग जानी चाहिए, ताकि राजनेता चुनाव में समान अधिकार से चुनाव मैदान में उतर सकें। मगर इस दौरान भी छापे रुके नहीं हैं। ईडी की इस सक्रियता के विरोध में विपक्षी दलों ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी, मगर धनशोधन का मामला संवेदनशील होने की वजह से अदालत ने कोई आदेश नहीं दिया था। अब अगर सर्वोच्च न्यायालय इसे लेकर गंभीर और कड़ा रुख अपनाए हुए है, तो ईडी को अपने दायरे का अहसास हो जाना चाहिए। जब भी किसी राजनेता या बड़े अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो ईडी भी पीछे-पीछे वहां पहुंच जाती है और अपने असीमित अधिकारों का इस्तेमाल करती देखी जाती है। धनशोधन के मामले में कड़ी कार्रवाई से इनकार नहीं किया जा सकता। यह देश की सुरक्षा के लिए काफी संवेदनशील मामला है। इसी दृष्टि से धनशोधन निवारण अधिनियम को कड़ा बना गया था। मगर इस कानून को अगर ईडी राजनीतिक विरोधियों को सबक सिखाने के हथियार के रूप में इस्तेमाल करती है, तो इस कानून का प्रभाव संदिग्ध हो जाता है। छिपी बात नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में इस अधिनियम के तहत गिरफ्तारियां तो तेज हुई हैं, पर दोषसिद्धि बहुत कम हुई है।

यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सर्वोच्च न्यायालय की नई व्यवस्था के बाद ईडी गिरफ्तारियों के मामले में पुनर्विचार करेगा।

महावीर पब्लिक स्कूल में ग्रीष्मकालीन शिविर का प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर पब्लिक स्कूल में दिनांक 18 मई से 8 जून तक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के सर्वांगीण विकास का ध्यान रखते हुए विद्यालय में आउटडोर गेम्स जैसे बास्केटबाल,वालीबाल, जूडो,क्रिकेट, फुटबॉल, स्केटिंग, बैडमिंटन आदि तथा इंडोर गेम्स जैसे ड्रामा, डांस, एरोबिक्स, वोकल म्यूजिक, इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, आर्ट एंड क्राफ्ट आदि गतिविधियां आयोजित की जा रही है। शिविर हेतु रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। विद्यालय के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य बच्चे भी इन गतिविधियों का लाभ उठाकर अपने समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

मोक्षमार्ग की प्रथम सीढ़ी श्रद्धान : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी भूषण आर्यिका 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ श्री दिगम्बर जैन मंदिर माँग्यावास में विराजमान है। माताजी की प्रेरणा व आशीर्वाद से श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है । 19 मई 2024 को को माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का भव्य आयोजन होने जा रहा है। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए माताजी ने कहा कि - मोक्षमार्ग की प्रथम सीढ़ी श्रद्धान का मूल अर्थ रुचि , पसन्द , प्रतीति है । अपने अंदर श्रद्धान होगा तो नियम से फल मिलेगा। चौथे काल का णमोकार मन्त्र और पंचम काल का णमोकार मन्त्र एक ही है बस हमारी श्रद्धा, रुचि और पसंदगी इन्द्रिय विषय एवं कषायों में है , णमोकार मन्त्र में नहीं इसलिए फल नहीं मिल पाता है। गुरु माँ की आहारचर्या सुधीर जैन सपरिवार ने अपने निवास स्थान में करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का मनाया ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के चोबीसवें तीर्थंकर महावीर भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा बालाचार्य निर्पूण नंदी जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में समाज सेवी रतनलाल , पारस कुमार, कन्हैयालाल , कमलेश कुमार सिंघल परिवार की तरफ से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से ज्ञान कल्याणक का अर्घ्य अर्पित किया गया, उक्त शांतिधारा संघस्थ आर्यिका जयश्री माताजी ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों द्वारा सम्पन्न करायी, आर्यिका जय श्री माताजी ने श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ला दशमी को ऋजुपालिका नदी के किनारे जम्भिकाग्राम में ''साल वृक्ष'' के नीचे भगवान महावीर को केवल ज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) की प्राप्ति हुई थी, उनका बचपन का नाम वर्धमान था। उक्त कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूरचंद मांदी वाले, सोहनलाल झंडा, रामेश्वर कलवाडा, संतोष बजाज,केलास कड़ीला,महावीर जैन लदाना, महावीर मांदी, सुरेश मांदी, सुरेश डेठानी, शिखर मोदी, विनोद कलवाडा,धर्मचंद पीपलू, हेमराज कलवाड़ा,पारस नला, कन्हैयालाल सिंघल,मोहनलाल सिंघल,महेंद्र कुमार बावड़ी, रमेशबावड़ी , टीकम गिंदोडी, अनिल कुमार कठमाना, अशोक कागला,पारस मोदी ,विनोद मोदी, सुनील मोदी,दीपक मोदी, त्रिलोक पीपलू, कमलेश चोधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

सत्य भारती स्किल फेस्ट में कंप्यूटर प्रशिक्षण और वैदिक गणित क्लासेस का आयोजन

अजबार. शाबाश इंडिया

शिक्षा विभाग एवं भारती एयरटेल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय सत्य भारती स्किल फेस्ट शहीद लाल सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अजबार, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भानगढ़, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जिया बेरी और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई इंदा में ''वैदिक गणित और कंप्यूटर प्रशिक्षण'' की क्लासेस का प्रशिक्षण आरंभ हुआ जिसमें करीब 233 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, स्किल फेस्ट के पहले दिन सभी विद्यार्थियों बहुत उत्साहित नजर आए तथा विद्यार्थियों को वैदिक गणित का सरल उपयोग और बेसिक कंप्यूटर ज्ञान से अवगत करवाया गया। प्रभारी पुनीत भटनागर ने बताया की विद्यालय परिसर में वैदिक गणित मे जोड़, घाटाना, गुणा, भाग की विधि का उपयोग पर जोर दिया गया। कंप्यूटर प्रशिक्षण में बेसिक फोल्डर बनाना और कंप्यूटर के पार्ट्स के बारे मे बताया गया। स्थानीय विद्यालय परिसर में पांच दिवसीय सत्य भारती स्किल फेस्ट के माध्यम से कठिन लगने वाला विषय के प्रति रुचि बनेंगी। दैनिक जीवन में कंप्यूटर का उपयोग काफी बढ़ गया है, जिसे वो आने वाली चुनौतियों से पार लग सकें।

श्रमण संस्कार शिविर में विदुषियां पढ़ा रही धर्म और संस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर मन्दिर जी में श्रमण संस्कृति संस्थान संत सुधा सागर बालिका महाविद्यालय की निदेशिका डॉक्टर वंदना जैन, श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल की अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल और उपाध्यक्ष सुशीला छाबड़ा ने शनिवार को शिविर में उपस्थित हो कर विद्यार्थियों से शिविर के बारे में जानकारी प्राप्त की। संयोजक राजेंद्र ठोलिया व सुरेश शाह ने बताया कि मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने सभी का स्वागत करते हुए शिविर में चल रही क्लासेज के बारे में बताया कि करीब 105 विद्यार्थी शिविर का लाभ ले रहे है। तीनो अतिथियों का बालिका महाविद्यालय की ट्रस्टी दीपिका जैन बिलाला सहित निकिता

साखूनियां, प्रियंका बाकलीवाल, अनीता बिंदायक्यकव सुलोचना पाटनी आदि ने तिलक माला दुपट्टा व साफा पहना कर सम्मान किया इससे पूर्व विदुषियों द्वारा मंगल प्रार्थना के बाद दीप प्रज्वलन केसर देवी नवीन राकेश बाकलीवाल परिवार द्वारा किया गया। डॉ वंदना जैन व शालिनी बाकलीवाल ने मुनि पुंगव सुधासागर जी के प्रेरक विचारों को बताते हुए शिविर की आवश्यकता व विदुषियों के कार्यों की जनकपुरी समाज द्वारा की गई प्रशंसा के बारे में तथा आचार्य विद्यासागर जी मुनिराज के जीवन पर लघु नाटिका के बारे में बताया ।

मूकमाटी आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की जीवंत कृति अप्रतिम है: विनोद जैन आचार्य

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। शुक्रवार की अनुपम बेला में श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा आयोजित सम्यक ज्ञान शिविर का शुभारंभ हो गया। इसी क्रम में बालकों की नियमित कक्षाएं भी शुरू हो गई है जिसमें उन्हें नैतिक शिक्षा, आर्ट एंड क्राफ्ट के साथ-साथ धर्म का अध्यापन भी कराया जा रहा। वहीं आचार्य श्री की जीवंत कृति मूक माटी महाकाव्य का भी अध्ययन कराया जा रहा है। शिविर सकल दिगंबर जैन समाज रामगंजमंडी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसका कुशल संचालन रामगंज मंडी नगर के विद्वत प्रशांत जैन आचार्य कर रहे हैं। संध्या की बेला आचार्य श्री द्वारा रचित जीवंत कृति मूकमाटी काव्य का प्रथम चरण शुरू हो गया। इसके विषय में अध्ययन कराते हुए विनोद जैन आचार्य ने इसके बारे में प्रकाश डाला उन्होंने कहा मूकमाटी आचार्य श्री की यह जीवन्त कृति अप्रतिम है। एक अचेतन पदार्थ के माध्यम से चेतन को मोक्ष पथ प्रशस्त करना आचार्य श्री के अध्यात्म की पराकाष्ठा है। आचार्य श्री ने अद्भुत कृति का सृजन 25 अप्रैल सन् 1984 में पिसनहारी मढिया जी जबलपुर से प्रारम्भ कर 11 फरवरी सन् 1987 को सिद्धक्षेत्र नैनागिरि जी में पूर्ण किया। इसमें कुल चार खण्ड हैं। जिसमें से शिविर में पहले खण्ड का अध्ययन कराया जा रहा है जिसका नाम है संकर नहीं वर्ण लाभ। यह मूकमाटी कृति अभी तक कन्नड़,बांग्ला,गुजराती,प्राकृत, संस्कृत आदि भाषाओं में भी रूपांतरित हो चुकी है। इस कृति ही यह वैशिष्ट्य है। साथ ही अध्ययन में बताया गया कि आचार्य श्री ने सर्वप्रथम प्रकृति का सुरम्य चित्रण किया गया। प्रातःकाल की संधि सर्वोत्तम सन्धि है क्योंकि इस काल में सभी प्राणियों के उत्तम विचार होते हैं इत्यादि विचारों के माध्यम से मूकमाटी की प्रथम कक्षा पूर्ण हुई। शिविर संयोजक आकाश जैन आचार्य ने बताया कि रामगंज मंडी नगर में पहली बार रविवार की बेला में एक साथ 36 मंडलों पर आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज का गुणानुवाद करते हुए आचार्य छत्तीसी विधान किया जाएगा। जो भक्ति भाव के साथ संपन्न होगा। शिविर में बच्चों को धार्मिक संस्कार देने के लिए हेमंत जैन आचार्य, मनोज जैन आचार्य सुंदरतम रूप में कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

गर्मियों की छुट्टियां

गर्मियों की जब छुट्टियां आई,
नाती-पोते को देखकर
दादा -दादी के चेहरे पर
एक सुकून भरी मुस्कान जो आई।
नन्हें-नन्हें बच्चों को देखकर
आंगन में जैसे खुशियां सी छाई ।
गर्मी से बचने के खातिर
बुआ बच्चों के लिए
नींबू पानी बना लाई।
पीकर बच्चों ने जो
धमा चौकड़ी मचाई
दरवाजे के बाहर से
बर्फ के गोले वाले
भैया की आवाज जो आई।
दादी-अम्मा ने बच्चों को
आवाज लगाई ।
लो बच्चों अपनी-अपनी पसंद का
बर्फ का गोला खा लो।
अपनी लुगड़ी के पल्ले की
गांठ से कुछ रुपए निकाल कर
दादी फिर से मुस्कुराई।
और बोली काला खट्टा मेरे लिए
बुआ के लिए गुलकंद
वाला शरबत और
दादाजी के लिए सतरंगी
बर्फ का गोला लेकर आना।
फिर बच्चों ने जोर-जोर से
बर्फ के गोले वाले भैया को
अपनी अपनी पसंद बताई।
खाकर बर्फ के गोले को
बच्चों ने फिर अपनी-अपनी
जीभ दिखाई,
गर्मियों की जब छुट्टियां आई।

-डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

फूट-कलह ने खींच दी हर आंगन दीवार

आखिर क्यों बदल रहे हैं मनोभाव और टूट रहे परिवार

शाबाश इंडिया

आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने-समझने की बेहद सख्त जरूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूंढकर उनको दुरुस्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कवि/लेखकों/गायकों/नायक/नायिकाओं/शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकताओं के साथ-साथ राजनीतिज्ञों को एक संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए। खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या है? और इस गिरावट से कैसे उभरा जा सकता है? युवा कवयित्री प्रियंका सौरभ ने इस स्थिति को अपने शब्दों में कहते हुए सही लिखा है कि- **टूट रहे परिवार हैं, बदल रहे मनभाव! प्रेम जताते गैर से, अपनों से अलगाव!**

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। संयुक्त परिवार प्रणाली या एक विस्तारित परिवार भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही है, जब तक कि शहरीकरण और पश्चिमी प्रभाव के मिश्रण ने उस संस्था को झटका देना शुरू नहीं किया। परिवार एक बुनियादी और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था है जिसकी व्यक्तिगत और साथ ही सामूहिक नैतिकता को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों का पोषण और संरक्षण करता है। यह कानून का पालन करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन देकर समाज को स्थिरता प्रदान करता है। यह व्यक्ति में सामूहिक चेतना के निर्माण में मदद करता है। परिवार प्रणाली एक एकल, शक्तिशाली किस्में है जो सदियों से है, और विविधता के साथ समृद्ध, सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है समाजीकरण में यह भावनात्मक संबंध का प्रमुख स्रोत है, समाजीकरण और नैतिकता को आकार देने के तरीके से सही और गलत की भावना उत्पन्न करता है। बच्चों को उनके माता-पिता, उनके साथियों और उनके समाज के ''सामाजिक सम्मेलनों'' के अनुसार नैतिक निर्णय लेने के रूप में देखा जाता है। यह व्यक्तिगत चरित्र को मजबूत करता है। यह आदत बनाने का पहला स्रोत है जैसे अनुशासन, सम्मान, आज्ञाकारिता आदि। नैतिक मजबूती के साथ-साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के

दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है.

घर-घर में मनभेद है, बचा नहीं अब प्यार !
फूट-कलह ने खींच दी, हर आँगन दीवार !!
स्नेह और आशीष में, बैठ गई है रार !
अरमानों के बाग में, भरा जलन का खार !!

गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है. इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है। वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है. परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। उच्च तलाक की दर निसंदेह सामाजिक रिश्तों को निगल रही है. विवाह के टूटने का प्रमुख कारण एकल रवैये, व्यवहार और समझौता किए गए मूल्यों में प्रौद्योगिकी काला धब्बा है। युवा पीढ़ी का असामाजिक व्यवहार परिवारों को तेजी से नष्ट कर रहा है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल, आदि, बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।

''बड़े बात करते नहीं, छोटों को अधिकार !
चरण छोड़ घुटने छुए, कैसे ये संस्कार !!
कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार !
परिजन ही दुश्मन हुए, छुप-छुप करे प्रहार !!''

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है. एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से संबंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक संबंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद-पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक-आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है. परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है। आज ज्यादातर लोग सार्थक जीवन का अभाव झेल रहें है. पारिवारिक प्रणाली के पतन का एक नुकसान ये है कि साझाकरण, देखभाल, सहानुभूति, सहयोग, ईमानदारी, सुनने, स्वागत करने, मान्यता, विचार, सहानुभूति और समझ के गुणों का कम होना है। हाल के दिनों में तनाव की सहनशीलता में कमी, चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे बढ़ रहे हैं। परिवार प्रणाली बुजुर्ग सदस्यों से बात करने, बच्चों के साथ खेलने आदि से गहरी असुरक्षा की अभिव्यक्ति के साथ मानसिक रूप से व्यक्ति को राहत दे सकती है। परिवार प्रणाली में गिरावट अधिक व्यक्तियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के मामले पैदा कर सकती है। भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में कार्यबल का महिलाकरण हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।

''बच पाए परिवार तब, रहता है समभाव !
दुःख में सारे साथ हो, सुख में सबसे चाव !!
अगर करें कोई तीसरा, सौरभ जब भी वार !
साथ रहें परिवार के, छोड़े सब तकरार !!''

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान-लिंग वाले जोड़ों (एलजीबीटी संबंध), सहवास या लिव-इन संबंधों, एकल-माता-पिता के घरों, अकेले रहने वाले या अपने बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये समाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है। कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है. पत्थर होते हर आंगन में फूट-कलह का नंगा नाच हो रहा है. आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है. बड़े-बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है. फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है. एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है. हमें ये सोचना -समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायंगे और ये समाज रहने लायक होगा।

-डॉ.सत्यवान सौरभ

दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी द्वारा धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान एवं महिला अंचल द्वारा, धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी प्रांगण में किया जा रहा है, जिसका कुशल संचालन प्रीति पापड़ीवाला, दीप्ति जैन, सुनीता कासलीवाल, मीना अजमेरा द्वारा किया जा रहा है। प्रीति पापड़ीवाला ने बताया कि रोज प्रातः 9:30 बजे से लेकर 10:30 तक लगभग 30 बालक व बालिकाएं इस धार्मिक संस्कार शिविर में भाग ले रहे हैं। सभी बच्चों से धार्मिक शिक्षा के सवाल जवाब किए जाते हैं। दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी के सचिव उजास जैन ने बताया कि बच्चों को अंत में पारितोषिक वितरण किया जाता है।

हॉबी क्लासेस पोस्टर का उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार बेरवा ने किया विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट द्वारा एवं पक्की भायली द्वारा द्वारा आयोजित हॉबी क्लासेस के पोस्टर का आज सुबह डॉक्टर प्रेम कुमार बेरवा उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार ने अपने निवास पर पोस्टर का विमोचन किया। मुख्य आयोजक एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट के फाउंडर अध्यक्ष बसंत जैन बैराठी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने ऐसे सामाजिक शिक्षाप्रद कार्य करने के लिए आयोजको को शुभकामनाएं एवं बधाई दी साथ ही निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरणा दी। इस अवसर पर लीनेस क्लब की अध्यक्ष व जैन सोशल ग्रुप विराट की सचिव स्वग्रही ग्राही माओ , कार्यक्रम संयोजक रेखा कुमावत , अनीता तिवारी भी उपस्थित थी। यह कार्यक्रम इंडो किड्स स्कूल कमला नेहरू नगर में 21 मई से 17 जून तक के लिए लगाया जाएगा ' पक्की भायली की सोनू अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर में मेहंदी नृत्य, संगीत ,पेपर आर्ट, ब्यूटीशियन की क्लासेस लगाई जाएंगे ' स्टूडेंट को पूर्ण सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी ' रेखा कुमावत ने बताया कि प्रियंका जैन द्वारा मेहंदी ,प्रतिमा तोमर द्वारा पेपर आर्ट, ऊभ द्वारा नृत्य , निशा कुमारी द्वारा पेंटिंग, अनीता तिवारी द्वारा ब्यूटीशियन के सारे कोर्स प्रैक्टिकल के साथ सिखाया जाएगा ' इसे प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार भी कर सकती है ' स्वग्रही माओ ने बताया कि समापन पर बेस्ट कृति का सम्मान भी किया जायेगा।

बढ़ती गर्मी को देख पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

सीकर. शाबाश इंडिया। राजस्थान के सीकर में गर्मी अपना तेवर दिखा रही है। जिससे इंसान के साथ पशु-पक्षियों के हाल बेहाल हैं। पर्यावरण को बचाने का अर्थ परिंदों को बचाना भी है। परिंदे प्रकृति के दूत हैं, इसीलिए वे हमें और हमारे पर्यावरण दोनों को संवारते और संदेश देते हैं। जयपुर रोड स्थित कृषि उपज मंडी में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए इस दौरान पारस सेठी, आलोक काला, जय कुमार छाबड़ा, प्रियंक जैन आदि उपस्थित थे। साथ ही व्यापारी पारस सेठी

प्रतिदिन सफाई कर पानी और दाना डालने का नियम लिया है। प्रियंक जैन ने बताया कि पशु-पक्षियों को दाना-पानी देने को अपनी आदत में शुमार कर लें अन्यथा खुद के लिए भी दाना-पानी का संकट और विकराल हो जाएगा। पशु-पक्षियों, पौधों और हरियाली का होना ही हमारे होने की शर्त है, जब तक इनका जीवन बना और बचा रहेगा, तब तक ही हमारा भी अस्तित्व होगा। गर्मी के इस मौसम में हर जीव को पानी की जरूरत तो पड़ती है. ऐसे कार्यों के लिए लोग आगे आ रहे हैं और वह अपने घरों या आस-पास स्थित पेड़ पर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगा कर उन्हें गर्मी से निजात दिलाने में मदद कर रहे है।

रिलायंस जियो का धमाका

प्रीपेड यूजर्स के लिए नया 3333 प्लान, एक साल की वैधता और फ्री फैनकोड सब्सक्रिप्शन

मुंबई. शाबाश इंडिया। रिलायंस जियो ने अपने प्रीपेड ग्राहकों के लिए नया 3333 रुपये का वार्षिक प्लान लॉन्च किया है, जिसमें एक साल की वैधता के साथ कई शानदार सुविधाएं शामिल हैं। इस प्लान के तहत यूजर्स को प्रतिदिन 2.5 जीबी हाई-स्पीड डेटा, किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड फ्री कॉलिंग और प्रतिदिन 100 एसएमएस मिलेंगे। ग्राहकों को एक साल के लिए फैनकोड का फ्री सब्सक्रिप्शन भी दिया जाएगा। यह प्लान चुनिंदा जियो एयर फाइबर, जियो फाइबर और जियो मोबिलिटी प्रीपेड ग्राहकों के लिए पेश किया है। इसके साथ ही, जियो मोबिलिटी प्रीपेड यूजर्स को 398 रुपए, 1198 रुपए, 4498 रुपए प्लान्स और नए 3333 रुपए वार्षिक प्लान पर फैनकोड ऐप का फ्री सब्सक्रिप्शन मिलेगा। फैनकोड एक प्रीमियम ओटीटी ऐप है, जो फॉर्मूला 1 एडवेंचर गेम्स के लिए लोकप्रिय है और 2024 व 2025 में भारत में एफ 1 प्रसारण के अधिकार रखता है। जियो एयर फाइबर और जियो फाइबर ग्राहकों को भी 1199 रुपये या उससे अधिक के प्लान्स पर फैनकोड का फ्री सब्सक्रिप्शन मिलेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com